हिन्दी / HINDI

प्रश्न-पत्र II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

2022

निर्धारित समय : तीन घंटे *Time Allowed : Three Hours*	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें आठ प्रश्न हैं, जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा हिन्दी में छपे हैं ।*

*उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न / भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed in **HINDI**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions No. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

SECTION A

Q1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *10×5=50*

(a) पीछै लागा जाइ था, लोक वेद के साथि ।
आगै थैं सतगुर मिल्या, दीपक दीया हाथि ।।
दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट ।
पूरा किया बिसाहुणां, बहुरि न आँवौं हट्ट ।। *10*

(b) बेद पुरान बिहाइ सुपंथ कुमारग कोटि कुचाल चली है ।
काल कराल, नृपाल कृपालन राज समाज बड़ोई छली है ।।
बर्न-बिभाग न आस्रम धर्म, दुनी दुख-दोष-दरिद्र दली है ।
स्वारथ को परमारथ को कलि राम को नाम प्रताप बली है ।। *10*

(c) रससिंगार-मंजनु किए, कंजनु भंजनु दैन ।
अंजनु रंजनु हूँ बिना खंजनु गंजनु नैन ।।
तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान ।
तू मोहन कै उर बसी ह्वै उरबसी-समान ।। *10*

(d) कौन हो तुम वसंत के दूत विरस पतझड़ में अति सुकुमार ।
घन-तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार ।
नखत की आशा-किरण समान, हृदय के कोमल कवि की कांत –
कल्पना की लघु लहरी दिव्य, कह रही मानस-हलचल शांत । *10*

(e) धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,
धिक् साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध ।
जानकी ! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका । *10*

Q2. (a) भाव, भाषा एवं विचार की दृष्टि से निराला की 'कुकुरमुत्ता' कविता का मूल्यांकन कीजिए । *20*

(b) "गुप्त जी ने 'भारत-भारती' में अतीत का गौरव गान, वर्तमान को रचनात्मक ऊर्जा एवं जागरण का संदेश देने हेतु किया है ।" स्पष्ट कीजिए । *15*

(c) 'असाध्य वीणा' कविता का मूल स्रोत क्या है ? कवि ने कविता-सृजन की प्रक्रिया को किन स्तरों पर प्रस्तुत किया है ? *15*

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

Q3. (a) "सूरदास द्वारा भ्रमरगीत प्रसंग की योजना का मुख्य उद्देश्य निर्गुण पर सगुण की विजय दिखाना है ।" इस कथन की युक्तिसंगत समीक्षा कीजिए । *20*

(b) "जायसी ने नागमती के वियोग-वर्णन द्वारा नारी की व्यथा-कथा को प्रस्तुत किया है ।" इस कथन से आप कितने सहमत हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । *15*

(c) "दिनकर ने 'कुरुक्षेत्र' में युधिष्ठिर और भीष्म के माध्यम से अपने ही मानसिक अंतर्द्वंद्वों को अभिव्यक्त किया है ।" कथन का तर्कपूर्ण विवेचन कीजिए । *15*

Q4. (a) कबीर-वाणी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कितनी प्रासंगिक है ? उदाहरण सहित लिखिए । *20*

(b) 'ब्रह्मराक्षस' अस्तित्ववादी मान्यताओं और खंडित व्यक्तित्व का प्रतीक है । इस कथन के आलोक में 'ब्रह्मराक्षस' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए । *15*

(c) 'हरिजन गाथा' कविता के आधार पर नागार्जुन की जनवादी दृष्टि की मीमांसा कीजिए । *15*

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009

SECTION B

Q5. निम्नलिखित अवतरणों की लगभग 150 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *10×5=50*

(a) जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है। *10*

(b) कौन कहता है कि हम-तुम आदमी हैं। हममें आदमियत कहाँ ? आदमी वह है जिसके पास धन है, अख़्तियार है, इलम है। हम लोग तो बैल हैं और जुतने के लिए पैदा हुए हैं। *10*

(c) संपूर्ण संसार कर्मण्य वीरों की चित्रशाला है। वीरत्व एक स्वावलंबी गुण है। प्राणियों का विकास संभवतः इसी विचार के ऊर्जित होने से हुआ है। जीवन में वही तो विजयी होता है जो दिन-रात 'युद्धस्व विगतज्वरः' का शंखनाद सुना करता है। *10*

(d) परलोक में अधिक भोग का अवसर पाने की कामना से किया गया यह त्याग त्याग नहीं। तुम्हारी आशा और विश्वास के अनुसार यह त्याग भोग की आशा का मूल्य है, भोग की इच्छा है तो साधन रहते भोग करो। *10*

(e) काव्य-साहित्य और अन्य कलाएँ मूलतः सृजनात्मक हैं, अतः उनमें राजनीति के कार्य-विभाजन जैसा कोई विभाजन संभव ही नहीं होता। कोई भी सच्चा कलाकार ध्वंसयुग का अग्रदूत रहकर निर्माण का भार दूसरों पर नहीं छोड़ सकता, क्योंकि उसकी रचना तो निर्माण तक पहुँचने के लिए ही ध्वंस का पथ पार करती है। *10*

Q6. (a) 'भारत दुर्दशा' नाटक अंग्रेज़ी राज्य की अप्रत्यक्ष रूप से कटु और सच्ची आलोचना है। विश्लेषण कीजिए। *20*

(b) " 'दिव्या' इतिहास नहीं, ऐतिहासिक कल्पना मात्र है।" इस कथन के आधार पर 'दिव्या' उपन्यास में इतिहास और कल्पना के समन्वय का विवेचन कीजिए। *15*

(c) 'गोदान' की भाषा और उसके शिल्प की विशेषताएँ बताइए। *15*

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009
raadheythevisiion.in

Q7. (a) " 'आषाढ़ का एक दिन' की मल्लिका स्वाधीन चेता स्त्री के जीवन के स्वाभिमान और विडंबना को चरितार्थ करती है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । *20*

(b) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध की ललित निबंध के रूप में तात्त्विक समीक्षा कीजिए । *15*

(c) " 'महाभोज' उपन्यास राजनीतिक विकृतियों का सच्चा दस्तावेज़ है ।" इस कथन से आप कितने सहमत हैं, तर्कसंगत मीमांसा कीजिए । *15*

Q8. (a) 'कविता क्या है' निबंध के आधार पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल के काव्य विषयक विचार प्रस्तुत कीजिए । *20*

(b) 'नयी कहानी' की अवधारणा के संदर्भ में निर्मल वर्मा की कहानी 'परिंदे' की समीक्षा कीजिए । *15*

(c) 'मैला आँचल' उपन्यास की भाषा, परिवेश को जीवंत करने में कितनी सफल सिद्ध हुई है ? उदाहरण सहित विवेचन कीजिए । *15*

raadheythevisiion.in

RaadheytheVisiion || Contact us: - +919625757536; +918889907405
mailto:mentorship@raadheythevisiion.in raadheythevisiion.in
Mukherjee Nagar, North West, Delhi-110009